दो दिवसीय संगीताचार्य पं. सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह का हुआ शुभारंभ

गायन एवं वादन में घरानों की परम्पराओं का राग नृत्य में श्रीकृष्ण से अनंत प्रेम की सुंदर अनुभूतियां

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से दो दिवसीय संगीताचार्य पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह का मंगलारंभ शनिवार की शाम संस्कृति थियेटर, भंवरताल गार्डन, जबलपुर में हुआ। गायन, वादन एवं नृत्य के इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर कलाकारों का स्वागत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाडकर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे ने संगीत के प्रचार-प्रसार एवं शिक्षा के लिए जीवन पर्यन्त कार्य किया। उनके प्रयासों से अनेक युवाओं को संगीत की शिक्षा प्राप्त हुई। ऐसे महान संगीताचार्य की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा इस वर्ष से उनके नाम पर प्रतिवर्ष संगीत समारोह आयोजित किया जायेगा। यह कार्य संस्कृति मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी एवं अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर के अथक प्रयासों से संभव हो सका है।

समारोह के प्रथम दिवस तीन सभाएं सर्जी, जिसमें वादन, गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल थीं। पहली सभा वादन की रही, जिसमें ताल तरंग समूह, भोपाल के द्वारा वाद्यवृंद की प्रस्तुति हुई। समूह में शअंशुल प्रताप सिंह- तबला, सत्येंद्र सिंह सोलंकी- संतूर, सौनक बेनर्जी- घटम, विमर्श मालवीय- पखावज, हनीफ हुसैन- सारंगी पर थे। प्रस्तुति का आरंभ शिव तांडव परन से हुआ। कलाकारों द्वारा अपने-अपने वाद्ययंत्रों के साथ परिचय वादन के द्वारा तबला, घटम, पखावज सवाल जबाव, तबला वादन, शिव परन, हिरनी परन बादल गर्जना, बारिश एवं अनेक घरानेदार बंदिशों का वादन अंशुल प्रताप सिंह द्वारा किया गया। संतूर पर मध्य लय, द्रुत लय में विभिन्न लयकारियों के साथ सत्येन्द्र सिंह द्वारा किया गया। सभी वाद्ययंत्रों का समागम विभिन्न लयकारियों एवं ताल स्वर का अद्भुत संगम सुनने का अवसर श्रोताओं को मिला। प्रस्तुति के अंत में सभी कलाकारों द्वारा अपने-अपने वाद्ययंत्र के साथ जुगलबंदी ने समां बांध दिया।

कार्यक्रम की दूसरी सभा शास्त्रीय गायन के नाम रही। मंच पर नमूदार हुईं डॉ. पारुल दीक्षित, ग्वालियर, जिन्होंने अपने गुरु की परम्परानुसार सुमधुर गायिकी से संगीत का आनंद सभागार में बिखेर दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के आरंभ के लिए राग जोग का चयन किया। अत्यंत मधुर इस राग में विलंबित खयाल की बंदिश के बाद मध्यलय तीन ताल की बंदिश "ना माने थी जिया" प्रस्तुत की। इसके बाद द्रुत एक ताल में पंडित बलवंत राय भट्ट की बंदिश "आज रंग राग छाए" से अपनी गहन साधना का परिचय दिया। इसके बाद द्रुत तीन में तराना एवं अंत में चैती "चैत मास बोल ले कोयलिया" की प्रस्तुति के साथ समापन किया। उनके साथ हारमोनियम पर रवीन्द्र किल्लेदार एवं तबला पर पांडुरंग तैलंग ने संगत दी।

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति नृत्यनाटिका सुश्री प्रियंका जोशी एवं साथी, भोपाल के कलाकारों द्वारा कथक समूह नृत्य की रही। उन्होंने "षड्ऋतु कृष्णम" नृत्यनाटिका प्रस्तुत की, जिसकी नृत्य परिकल्पना सुश्री प्रियंका जोशी द्वारा की गई, संगीत रचना सोपान अंबासेलकर द्वारा की गई है। इस नृत्यनाटिका के माध्यम से सौंदर्यपूर्ण ढंग से दिखाया कि कृष्ण हर ऋतु में है, वे वसंत की मधुरता में प्रेम बनकर, ग्रीष्म की तपन में विरह बनकर, वर्षा की फुहारों में मिलन बनकर, शरद की शीतलता में रास बनकर, हेमंत की नरमी में स्नेह बनकर और शिशिर की निस्तब्धता में भक्ति बनकर प्रकट होते हैं। वे हर रंग, हर अहसास में झलकते हैं, क्योंकि कृष्ण केवल एक नाम नहीं, बल्कि अनंत प्रेम की अनुभूति हैं। इस प्रस्तुति में सुश्री अक्षिमा जोशी, सुश्री अणिमा पांडे, सुश्री अनुष्का चंदसौरिया, सुश्री मनस्वी तोलानी, सुश्री जागृति यादव, सुश्री खुशी यादव, सुश्री शिल्पी सेन एवं सुश्री जाह्नवी चंद ने नृत्य किया।

बिना पंजीयन के विज्ञापन लगाने पर एसआर मॉल पर दो लाख 40 हजार की पैनाल्टी

जबलपुर। शहर में अवैध रूप से संचालित हो रहे विज्ञापनों और होर्डिंग्स के खिलाफ नगर निगम की होर्डिंग शाखा ने शनिवार को कड़ा रुख अपनाया। विजय नगर स्थित एस.आर. मॉल द्वारा बिना पंजीकरण के विज्ञापन प्रदर्शित करने पर निगम ने 2, लाख 40 हजार रुपये की भारी पेनाल्टी लगायी।

नगर निगम को सूचना मिली थी कि एस.आर. मॉल प्रबंधन द्वारा अपने परिसर में विज्ञापनों का प्रदर्शन बिना किसी वैधानिक पंजीकरण के किया जा रहा है। यह कृत्य एम.पी. आउटडोर मीडिया रूल्स 2017 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी के तहत निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जुर्माना अधिरोपित किया।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने न केवल पेनाल्टी लगाई, बल्कि मॉल परिसर में नोटिस चस्पा कर सख्त चेतावनी भी दी। कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, होर्डिंग शाखा उपयंत्री अंकित चौधरी, बाजार विभाग से शक्ति रजक आदि उपस्थित रहे।

गौरीघाट में प्लास्टिक कोटेड दोने बेचने वाले 22 दुकानदारों पर नगर निगम ने लगाया जुर्माना

जबलपुर। शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का उपयोग क्रय-विक्रय भण्डारण आदि पर प्रतिबंध है। इस कड़ी में नगर निगम द्वारा नर्मदा के पवित्र तट गौरीघाट को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की। माँ नर्मदा की शुद्धता को प्रभावित करने वाले प्लास्टिक कोटेड दोनों के उपयोग और बिक्री को रोकने के लिए विभाग ने विशेष अभियान चलाया।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि नर्मदा पूजन और दीपदान के लिए प्लास्टिक कोटेड दोनों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद, कई दुकानदार नियमों की अनदेखी कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान ऐसे 22 दुकानदारों को चिन्हित किया गया जो दीपदान के लिए प्लास्टिक कोटेड दोने बेच रहे थे। नगर निगम ने स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सख्त रुख अपनाते हुए इन दुकानदारों के चालान काटे और मौके पर ही 4800/- रुपये का स्पॉट फाइन वसूला। कार्यवाही के समय सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक वैभव तिवारी, स्वास्थ्य निरीक्षक अमन चौरसिया और सुपरवाइजर सुरेश, राजेश, राज अर्खेल एवं अमर उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल की महिला प्रहरी को दी राहत

समान आरोप पर अलग-अलग सजा भेदभावपूर्ण : हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने समान आरोपों के बावजूद अलग-अलग सजा देने को भेदभावपूर्ण माना है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इसी के साथ महिला प्रहरी को राहत प्रदान कर दी।

मामला केंद्रीय जेल जबलपुर से जुड़ा है, जहां वर्ष 2006 में एक महिला बंदी ने आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात महिला प्रहरी पुष्पा नायडू और मैट्रन देवकुमारी पारोचे के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई थी।

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि विभाग ने पुष्पा नायडू पर तीन वेतनवृद्धियां रोकने की कठोर सजा दी, जबकि समान आरोपों के बावजूद मैट्रन को केवल एक वेतनवृद्धि रोकने की हल्की सजा दी। हाई कोर्ट ने पाया कि दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध आरोप लगभग समान थे और घटना भी एक ही थी। ऐसे में अलग-अलग सजा देना न्यायसंगत नहीं है और यह समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि जब आरोप और परिस्थितियां समान हों, तो सजा भी समान होनी चाहिए। कोर्ट ने पुष्पा नायडू की सजा में संशोधन करते हुए तीन वेतनवृद्धि रोकने की सजा को घटाकर एक वेतनवृद्धि (बिना संचयी प्रभाव) कर दिया। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को 60 दिनों के भीतर संशोधित आदेश लागू कर संबंधित लाभ देने के निर्देश दिए हैं।

टिकट जांच में मादक पदार्थ बरामद

जबलपुर। गाड़ी संख्या 12296 में टिकट जांच के दौरान एस/7 कोच में एक बिना टिकट यात्री पाया गया। टिकट जांच के दौरान सीटीआई पिपरिया श्री मनोज नागोत्रा एवं डीसीटीआई पिपरिया रीतेश गोस्वामी सहित टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा पूछताछ की गई, जिसमें उक्त यात्री के पास जुर्माना राशि जमा करने हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं थी। जांच के दौरान यात्री के पास मौजूद एक बैग की तलाशी ली गई, जिसमें पॉलिथीन में लिपटा हुआ संदिग्ध पदार्थ पाया गया। संदेह होने पर उक्त यात्री को पिपरिया स्टेशन पर जीआरपी को सुपुर्द किया गया। जीआरपी द्वारा विस्तृत जांच करने पर यात्री के पास लगभग 2 किलोग्राम मादक पदार्थ (गांजा) बरामद हुआ। इस संबंध में अपराध क्रमांक 21359004260121/2026 के तहत धारा एनएआर 20 एवं एनएआर 8 के अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

- महाकोशल एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट की मांग
- मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन जरूरी

पैथोलॉजी सेवाओं में गुणवत्ता : केवल योग्य विशेषज्ञ ही दे सकते हैं सही रिपोर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश में बिना योग्य विशेषज्ञों के संचालित हो रही पैथोलॉजी लैब को लेकर महाकोशल एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट ने चिंता व्यक्त की है। राज्य के कई जिलों में केवल टेक्नीशियनों के भरोसे चल रही लैबों से जारी रिपोर्ट जनस्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। एसोसिएशन ने बताया कि प्रदेश में लैब लाइसेंसिंग मानक विभिन्न जिलों में अलग-अलग हैं। कुछ जगहों पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन हो रहा है, जबकि कहीं केवल एमबीबीएस डिग्रीधारकों को लैब रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जा रही है। ऐसे दोहरे मापदंड गैरमानक केंद्रों को संरक्षण दे रहे हैं और मरीजों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

अक्टूबर 2024 में जारी अधिसूचना के अनुसार एक योग्य पैथोलॉजिस्ट को अधिकतम दो लैब तक सीमित करने का नियम विवादास्पद है। उच्च न्यायालय ने इस मामले में सभी पक्षों और विशेषज्ञों से दो सप्ताह में सुझाव मांगे हैं, ताकि पैथोलॉजी सेवाओं में स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष देखरेख सुनिश्चित की जा सके। महाकोशल एसोसिएशन ने आम नागरिकों से केवल अधिकृत केंद्रों से ही जांच कराने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि कोई टेक्नीशियन स्वतंत्र रूप से लैब नहीं चला सकता और रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने का पात्र नहीं है। पत्रकार वार्ता में डॉ. राजेश महोबिया, डॉ. नीरज सचदेवा, डॉ. नीता भाटिया, डॉ. रितु भनोत वढेरा, डॉ. कुलदीप बजाज, डॉ. दीपाली अडगाँवकर, डॉ. शिशिर चनपुरिया और डॉ. मपरस गुप्ता उपस्थित थे। जबलपुर के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा की भी उपस्थिति रही।

नवरात्रि पर्व के समापन पर कन्या भोज संपन्न

जबलपुर। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी के पावन अवसर पर गोरखपुर स्थित कॉम्प्लेक्स में भक्ति और सेवा का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर समाजसेवी हेमंत बड़गैया एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम बड़गैया द्वारा विशाल कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी स्वरूपा कन्याओं के पूजन और आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी कन्याओं को अत्यंत श्रद्धा भाव से भोजन कराया और उन्हें उपहार भेंट कर आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीलम बड़गैया का अहम योगदान रहा, इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवनया, मुनिन्द्र शुक्ला, नंदनी, पूर्वी, अराध्या राजभर, नूरी, दुर्गा सेन, कनक, शिवानी, नीतू, पायल, नेहा चक्रवर्ती, कमाक्षी सोनकर सहित कन्याओं और क्षेत्रीय नागरिक रूद्र प्रताप सोनकर, बलविंदर सिंह बाजवा की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान रहा। हेमंत बड़गैया ने इस अवसर पर कहा कि कन्या पूजन और सेवा ही मां की सच्ची भक्ति है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और समरसता का संचार होता है।

वैष्णव परिवार ने कराया कन्या भोज

जबलपुर। न्यू आदर्श कलोनी आधारताल में वैष्णव परिवार द्वारा चैत्र रामनवमी की नवमी तिथि पर कन्या भोज कराया गया। वैष्णव परिवार के सदस्यों ने माता स्वरूप छोटी-छोटी कन्याओं का विधि विधान से पूजन अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक

जन भागीदारी से बनेगा जल संरक्षण जनआंदोलन

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमपीआरडीसी के जीएम अनिल राठौर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, सभी जनपद सीईओ, सीडीपीओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ हो चुका है, जो 30 जून तक संचालित रहेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जल संरक्षण के कार्य प्रभावी और सुनियोजित ढंग से किए जाएं। राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत नई जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पुरानी जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं मरम्मत, जल स्रोतों में प्रदूषण कम करने के प्रयास, जल वितरण प्रणालियों की सफाई तथा मानसून पूर्व पौधारोपण की तैयारी जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि यह अभियान शासन और समाज की साझेदारी से एक जनआंदोलन का रूप ले सके।

बैठक में बताया गया कि राज्य स्तर पर जिलों की रैंकिंग की समीक्षा की जाएगी। इसलिए अभियान से जुड़े सभी कार्यों को 'माय भारत पोर्टल' पर समय पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। विशेष रूप से निर्देश दिए गए कि पिछले वर्ष के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराया जाए। प्राचीन जल स्रोतों का पुनर्जीवन, नदियों में मिलने वाले नालों में जल शोधन प्रणाली लागू करना तथा डीसिल्टिंग कार्य जनसहयोग से कराने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने-अपने भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए। जनपद सीईओ को 15 दिवस के भीतर वर्षा जल संचयन के कार्य पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही बोरी बंधान के कार्यों में तेजी लाने और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को जल संरक्षण गतिविधियों में सहभागी बनाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

रानीताल तालाब और भंवरताल के संस्कृति भवन का कलेक्टर-निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

जबलपुर। सिविल लाइन स्थित प्रतिष्ठित महाकौशल कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया और चल रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण ले रहे विभिन्न पदाधिकारियों और प्रगणकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना एक राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें सटीकता और संवेदनशीलता अनिवार्य है। कलेक्टर ने प्रशिक्षुओं से उनके सीखने के अनुभव पर चर्चा की और सुनिश्चित किया कि उन्हें तकनीकी और व्यावहारिक स्तर पर कोई समस्या न आए। प्रशिक्षण स्थल पर नगर निगम द्वारा की गई चाक-चौबंद व्यवस्थाओं की प्रशिक्षुओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं पेयजल, बैठक व्यवस्था और तकनीकी संसाधनों का अवलोकन किया।

घरेलू सिलेंडर और ऑटो दोनों प्रभावित, शहर में व्यापक असर

घर की रसोई से सड़क तक का संकट

जबलपुर। शहर में एलपीजी की किल्लत अब केवल रसोई तक सीमित नहीं रही। इसका असर सड़क पर दौड़ने वाले ऑटो तक पहुंच गया है। एक ओर जहां घरेलू गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों को पंपों पर गैस नहीं मिल पा रही। नतीजतन, घर की रसोई से लेकर शहर की सवारी व्यवस्था तक संकट गहराता जा रहा है।

शहर के कई इलाकों में घरेलू गैस की बुकिंग के बाद सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले जहां दो-तीन दिन में डिलीवरी हो जाती थी, अब कई बार पांच से सात दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे मध्यमवर्गीय और रोज कमाकर खाने वाले परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। कई घरों में अस्थायी रूप से लकड़ी या वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

बेरोजगार हुये आटो चालक

इसी बीच एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों की स्थिति भी गंभीर हो गई है। पंपों पर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन दोपहर तक गैस खत्म होने की सूचना दे दी जाती है। कई चालक घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। मजबूरी में अनेक ऑटो सड़कों से गायब हो गए हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि उनकी आय पूरी तरह दैनिक कमाई पर निर्भर है। एक दिन भी वाहन नहीं चला तो घर का खर्च प्रभावित होता है। बच्चों की फीस, राशन, किराया और ऑटो की मासिक किस्त जैसी जिम्मेदारियां लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। पेट्रोल या डीजल से ऑटो चलाना महंगा पड़ता है, इसलिए वे एलपीजी पर ही निर्भर रहते हैं। गैस की कमी से उनका रोजगार ठप होने की कगार पर है। इस संकट का असर शहर की आम जनता पर भी दिखने लगा है। कई रूटों पर ऑटो की संख्या कम हो गई है, जिससे यात्रियों को अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। बाजारों में ग्राहकी पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि सस्ती और सुलभ सवारी कम होती जा रही है।

प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

नागरिकों और ऑटो चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए। पंपों पर नियमित सप्लाई और घरेलू सिलेंडरों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि शहर को इस दोहरे संकट से राहत मिल सके। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। फिलहाल शहर में एक ही सवाल गूंज रहा है कब तक रसोई और सड़क दोनों पर गैस का संकट बना रहेगा?

शारदा मंदिर बरेला में श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ जवारा विसर्जन

बरेला। चैत्र नवरात्रि पर्व पर शारदा मंदिर बरेला में नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने माता की पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं के लिए प्रार्थना की। नवमी के दिन मंदिर में स्थापित जवारों का विसर्जन हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धूमधाम से किया गया। पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन पंडित आशीष शुक्ला, अभय शुक्ला (रिंकू महाराज), श्रीमती बिल्किस दुबे, अरविंद तिवारी, प्रसन्न उपाध्याय, श्रीमती सोनू तिवारी, श्रीमती लक्ष्मी उपाध्याय, श्रीमती प्रिया शुक्ला, श्रीमती सुष्मिता शुक्ला, आयुष तिवारी, अनुष्का शुक्ला, अंश शुक्ला, पलक उपाध्याय एवं आरव उपाध्याय सहित पूरे परिवार द्वारा किया गया। नवरात्रि पर्व के दौरान पुलिस प्रशासन, डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय, थाना प्रभारी, विद्युत मंडल के जूनियर इंजीनियर सहित समस्त सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

कलश शोभायात्रा से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। ईश्वर की असीम अनुकम्पा एवं सद्गुरूदेव भगवान के आशीर्वाद से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान का आयोजन पटेल परिवार महाकाल कालोनी ग्राम सहजपुर जबलपुर में 28 मार्च से 03 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। कथाव्यास जगद्गुरू नृसिंह पीठाधीश्वर पूज्य डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज होंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक होगी। कथा के मुख्य यजमान आनंदीलाल पटेल एवं मोमबाई पटेल हैं।

कथा के प्रारंभ में शनिवार 28 मार्च 2026 को कलश यात्रा खेरमाई मंदिर से रवाना हुई, इसके बाद कलश यात्रा, देव आराधना, व्यास पूजन और भागवत कथा महात्म्य, रविवार 29 मार्च 2026 मंगलाचरण, रौनक प्रश्न, कुंती स्तुति, परीक्षित जन्म, काली निग्रह, शुकदेव आगमन, सोमवार 30 मार्च सृष्टि रचना, कपिल गीता, वराह अवतार, सती चरित्र, ध्रुव चरित, मंगलवार 31 मार्च भरत चरित्र, अजामिल उपाख्यान, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, बुधवार 01 अप्रैल नंदोत्सव, पूतना वध, श्रीकृष्ण बाललीला, गोवर्धन पूजा, गुरुवार 2 अप्रैल महारास, कृष्ण बलराम मथुरागमन, कंस वध, श्री कृष्ण-रुक्मणी विवाह कथा के अंतिम दिन, 03 अप्रैल, शुक्रवार सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम एवं पूर्णाहुति हवन होगा। 04 अप्रैल शनिवार को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा होगा। इस अवसर पर संयोजक रोहित पटेल, क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह ठाकुर, शिव पटेल आदि ने सभी धर्मप्रेमी, श्रद्धालुओं से धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

खितौला में जल मंदिर का शुभारंभ

सिहोरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा सरकार के प्रदेशव्यापी जलगंगा संवर्धन अभियान जल शक्ति से नव भक्ति की थीम पर चल रहे इस अभियान के प्रथम चरण में आयोजित होने वाली गतिविधियों में जल मंदिर का शुभारंभ ढेलाराम मंदिर लखराम मोहल्ला खितौला में भगवान श्रीराम के विग्रह का पूजन अर्चन हवन के बाद नगर विकास प्रस्फुटन समिति क्रमांक 1 के मंदिर परिसर में संचालित संस्कारशाला के बालक एवं बालिकाओं के द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ कर किया गया। इस अवसर पर मंदिर के संरक्षक मदन उरमालिया, ओ पी तिवारी, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष सुषमा सिंह कर्चुली, आकांक्षा गर्ग, अंजना मिश्रा, रंजना ठाकुर, अनीता तिवारी, गीता दुबे, रुचि दुबे, मनीषा दुबे, विनीता चौरसिया, लवली, निशा, सुनीता उपस्थित थे।

चैत्र नवरात्रि पर श्रद्धा के साथ निकले जवारे, धूमधाम से हुआ विसर्जन

पाटन। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों एवं प्रत्येक वार्ड में श्रद्धापूर्वक जवारे बोए गए। राम नवमी एवं दशमी तिथि को इन जवारों का विसर्जन बड़े ही हर्षोल्लास और ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। नगर विकास प्रस्फुटन समिति पाटन के अध्यक्ष श्री पवन बर्मन के निवास पर स्थापित पारंपरिक जवारों की नौ दिनों तक विधि-विधान से माता जी की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से जवारे निकालकर माता भगवती के दर्शन किए। दशमी तिथि पर सिविल लाइन स्थित महाकाली माता मंदिर में भक्तों द्वारा जवारे निकालकर स्वच्छ सरोवर में विसर्जित किए गए। पूरे आयोजन के दौरान नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

संत अलॉयसिस विद्यालय में विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह आयोजित

जबलपुर। संत अलॉयसिस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोलीपाथर में केजी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। "नए कदम बड़े सपने—आज शुरू हुआ नए सफर अपने" थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा की पहली सीढ़ी पार की। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला प्रबंधक फादर एम. स्टेलिन, प्राचार्या श्रीमती जेसी अनिल, उपप्राचार्य डेनिश पैट्रिक एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रिया डेविड व मोनिका वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रार्थना नृत्य के बाद राघवेंद्र चंदेल एवं अद्विका अक्षांश ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर यूकेजी-ए के विद्यार्थियों को प्राचार्या एवं यूकेजी-बी के विद्यार्थियों को उपप्राचार्य द्वारा डिग्रियां प्रदान की गईं। दर्श सिंह, भूविका अवस्थी एवं शिवाय तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार जताया। अभिभावकों की ओर से श्रीमती मधु एन्थोनी एवं श्री गौरव शर्मा ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अथर्व डहरिया, रिद्धिमा रजक, शौर्य सिंह, दर्श सिंह, अनाया गुर्जर एवं अभिसिक्त पटेल को शैक्षणिक उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में शाला प्रबंधक ने अपने उद्बोधन में बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अंत में बच्चों द्वारा गीत प्रस्तुति एवं पीहू आहूजा व पीहू जयसिंघानी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

श्रद्धा के साथ हुआ जवारा विसर्जन, खेरमाई मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

मझौली। चैत्र नवरात्रि के समापन अवसर पर नगर में जवारा विसर्जन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। नगर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में स्थित खेरमाता मंदिरों में रखे गए जवारों का विधि-विधान से पूजन करने के बाद शोभायात्रा के रूप में विसर्जन के लिए ले जाया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर जवारे रखकर भजन-कीर्तन करते हुए निकलीं। ढोल-नगाड़ों और "जय माता दी" के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जुलूस निर्धारित विसर्जन स्थलों तक पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

5वीं और 8वीं के सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

सिहोरा। मेरीडियन स्कूल ने शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई मिसाल पेश करते हुए इस वर्ष एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय की कक्षा 5 वीं और 8 वीं का परीक्षा परिणाम न केवल शत-प्रतिशत रहा, बल्कि प्रत्येक छात्र ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष छात्रों के अंकों के प्रतिशत में आए जबरदस्त उछाल ने पिछले सभी वर्षों के कीर्तिमानों को पीछे छोड़ दिया है। विद्यालय प्रांगण में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसके विद्यालय के संरक्षक प्रताप सिंह बघेल, जिला पंचायत सदस्य मोनू पुष्पराज बघेल और प्राचार्य श्रीमती अंकिता अग्रवाल ने कक्षा 5 वीं के सभी 50 और 8 वीं के सभी 34 होनहार छात्रों को सम्मानित किया गया। बच्चों की इस सफलता के पीछे शिक्षकों का निस्वार्थ परिश्रम और कुशल प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सिद्ध श्री माँ दरबार में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीराम का प्राकट्योत्सव

जबलपुर। चैत्र शुक्ल नवमी के पावन अवसर पर सिद्ध श्री माँ दरबार में भगवान श्रीराम का प्राकट्योत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। ढोल-मृदंग और शंखनाद के बीच भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ स्तुति व आरती कर जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सिद्ध श्री माँ दरबार के पूज्य दैवज्ञ पंडित अरुण शर्मा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भगवान श्रीराम हमारे भाव, प्रभाव और स्वभाव हैं तथा वे सत्य, नीति, प्रेम और संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु राम अविनाशी परमात्मा हैं, जो समस्त सृष्टि के सृजनहार और पालनहार हैं। उन्होंने धर्मग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम का जन्म त्रेतायुग में चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में अयोध्या में राजा दशरथ और रानी कौशल्या के यहां हुआ था। भगवान विष्णु ने रावण के अत्याचारों का अंत कर धर्म की पुनः स्थापना के लिए श्रीराम के रूप में अवतार लिया। पं. अरुण शर्मा ने कहा कि भगवान राम का जीवन हमें आदर्श, मर्यादा और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है। सच्चे भाव से भक्ति करने पर भगवान स्वयं अपने भक्त की सहायता करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ओ.पी. साहू, डॉ. संदीप नेमा, सदानंद गोडबोले, खेमचंद पटेल, अजय गुप्ता, देवेंद्र गोटिया, डॉ. आर.एस. चंडोक, अभिषेक शर्मा, आशीष शर्मा, तलविंद्र सिंह ओबेराय, विमल शुक्ला, प्रकाश राय सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

जीआरपी ने आटो में छूटा बैग स्वामी को सौंपा

जबलपुर।

13 मार्च 2026 को ऑटो चालक संजय गुप्ता द्वारा जीआरपी थाना जबलपुर में एक बैग जमा कराया गया। बैग में पगड़ी, सिख धर्म की पुस्तक और 57,330/- रुपये नगद रखे थे। बैग के स्वामी की तलाश के लिए म.आर.114 गुरजीत कौर ने ऑटो चालक द्वारा बताए गए पते पर जाकर हाथीताल और मदन महल गुरुद्वारा के प्रधानों से चर्चा की। साथ ही कृपाल चौक के सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से भी पतासाजी की गई। जानकारी मिलने पर पता चला कि बैग का स्वामी नांदेड़ में था। 27 मार्च 2026 को वह थाना में उपस्थित हुआ। स्वामी अमरजीत सिंह, पिता स्व. स्वर्ण सिंह, होशियारपुर (पंजाब) ने बताया कि बैग में उनकी पेंशन की राशि 57,330/- रुपये और अन्य सामान था। सभी सामग्री उन्हें सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दी गई।

मनीष ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोनीत

सिहोरा। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर, जिला अध्यक्ष संजय यादव की अनुशंसा पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष बिहारी पटेल ने कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष के पद पर मनीष शुक्ला को मनोनीत किया है। शुक्ला की नियुक्ति पर सभी कांग्रेस जनो ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद के शांतिपूर्ण आयोजन पर जताया आभार- बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया है। कमेटी ने शहर में कौमी एकता और भाईचारे के उदाहरण की सराहना की।

नाम सुधार सूचना
मैं आशीष कुमार जैन उम्र 40 वर्ष यह घोषणा करता हूं की मेरे नाबालिक पुत्र (AARY VARDHAN JAIN) के पासपोर्ट नं. U3071167 में नाम की स्पेलिंग (ARYA VARDHAN JAIN) लिखी हुई है जो की गलत है मेरे पुत्र के सही नाम की स्पेलिंग (AARY VARDHAN JAIN) है जो कि उसके जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड में दर्ज है अतः मेरे पुत्र को सही नाम (AARY VARDHAN JAIN) से जाना पहचाना जाए।
नया नाम :-AARY VARDHAN JAIN
पुराना नाम :-arya vardhan jain
पता - : 921 जैन अखाड़े की गली लॉर्डगंज,जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/272
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री प्रवीण अग्रवाल (2)श्री पवन अग्रवाल (3)पंकज अग्रवाल तीनों के पिता स्व. श्री रामनारायण अग्रवाल ने मकान नं. 630 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 2500 व.फु., प्रथम तल 2500 व.फु. शपथ पत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/273
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक तिलवानी पिता श्री बलराम तिलवानी ने मकान नं. 2897/जी वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 302 व.फु.,भूतल 302 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/274
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक तिलवानी पिता श्री बलराम तिलवानी ने मकान नं. 2897/जी वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी मैजनाइन-448 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/275
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री जितेन्द्र कुमार सोनी पिता श्री किशन लाल सोनी (2)श्रीमती पारूल सोनी पति श्री जितेन्द्र कुमार सोनी ने मकान नं. 490/11 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान प्रथम तल 900 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि सबा अंजुम उम्र 30 वर्ष पिता श्री मोहम्मद समीम खान निवासी म.न. 1145, नया आनंद नगर, रद्दी चौकी गोहलपुर, जबलपुर म.प्र. 482002, यह कि, सबा अंजुम अपने पिता मोहम्मद समीम खान एवं बडे भाई फहीम खान से पूर्णतः सभी प्रकार के व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक संबंध समाप्त कर दिया है। सबा अंजुम और सवा अंजुम के भाई मोहम्मद फहीम खान के बीच में किसी भी प्रकार का कोई संपर्क, साझेदारी लेना देना नहीं है । और न ही भविष्य में कभी होगा। मेरे स्वयं के व्यापार में मेरा स्वतंत्र पूर्ण अधिकार है। मेरे स्वयं के व्यापार में मेरे पिता या भाई का कोई अधिकार नही है ।
भवदीय
श्री आर. के शर्मा (एडवोकेट)
हाई कोर्ट जबलपुर (म.प्र.)
आफिस- पंचशील स्कूल रोड, पेट्रोल पंप रद्दी चौकी के पीछे जबलपुर
निवास- बी-43, साकार उदय नगर चेरीताल, जबलपुर (म.प्र.)
मो.- 9826526550
(आफिस) 0761-4005507

रामकृष्ण विश्वकर्मा नेता कॉलोनी निवासी अधिवक्ता वैभव विश्वकर्मा के पिता रामकृष्ण विश्वकर्मा का 76 वर्ष की आयु में शनिवार को स्वर्गवास हो गया है। अंतिम यात्रा आज निज निवास से ग्वारीघाट श्मशान घाट प्रस्थान करेगी।

श्रीमती विद्यावंती तनेजा- सद्गुरू अपार्टमेंट गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री प्रीतम लाल तनेजा की धर्मपत्नी श्रीमती विद्यावंती तनेजा (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती आकृति मिश्रा- शाहीनाका गढ़ा निवासी श्री गिरधर गोपाल मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती आकृति मिश्रा (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा- नयागांव रामपुर निवासी श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मनीषा वैद्य- दीक्षितपुरा निवासी श्री संतोष वैद्य की धर्मपत्नी श्रीमती मनीष वैद्य (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा गर्ग- त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री हनुमान प्रसाद गर्ग की धर्मपत्नी श्रीमती उषा गर्ग (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बिंदा दीन श्रीवास- गोराबाजार केंट निवासी श्री बिंदा दीन श्रीवास (99) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम कुशवाहा- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री श्याम कुशवाहा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुन्नी लाल डेले- शिवपुरी कजरवारा निवासी श्री मुन्नी लाल डेले (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भागचंद खोब्रागड़े- राधाकृष्णन वार्ड शारदा मंदिर के पास निवासी श्री भागचंद खोब्रागड़े (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सिया बाई केवट- छापर रामपुर निवासी श्री नर्बद प्रसाद केवट की धर्मपत्नी श्रीमती सिया बाई केवट (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुंती जैन- गुरू तिराहा दीक्षितपुरा निवासी श्रीमती कुंती जैन (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

कु. कीर्ति समद- बिलहरी निवासी श्री सुरेश समद की पुत्री कु. कीर्ति समद (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश महात्मा- घाना खमरिया निवासी श्री सुरेश महात्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री समीर श्रीवास्तव- चुंगी चौकी कांचघर निवासी श्री समीर श्रीवास्तव (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ऋषभ राजपूत- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री संजय राजपूत के पुत्र श्री ऋषभ राजपूत (15) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रामानंद मिश्रा- कांचघर संजय गांधी वार्ड निवासी श्री रामानंद मिश्रा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमा बाई गुप्ता- गली नं. 19, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्रीमती प्रेमा बाई गुप्ता (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निशा वाल्मीक- शिवपुरी कजरवारा निवासी श्री राकेश वाल्मीक की धर्मपत्नी श्रीमती निशा वाल्मीक (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना कुशवाहा- गलगला चौक निवासी श्री राम नारायण कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती मीना कुशवाहा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

छिंदवाड़ा रामगढ़ पंचायत के ग्राम पिपरिया फतेहपुर में पेयजल व्यवस्था के नाम पर गंभीर अनियमितताएं उजागर

पानी के नाम पर खेला करोड़ों का खेल!

फर्जी कुएं, दूषित पानी और पंचायत में खुला भ्रष्टाचार का 'तालाब'

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई (भुजेन्द्र शर्मा)

छिंदवाड़ा जिले की चौरई तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामगढ़ के ग्राम पिपरिया फतेहपुर में पेयजल व्यवस्था के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए लिखित आवेदन ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि लाखों रुपए की लागत से बनाए गए कुएं न सिर्फ गलत स्थान पर बनाए गए, बल्कि उनमें भरा पानी भी दूषित है, जिससे ग्रामीणों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा पेयजल संकट दूर करने के नाम पर लगभग 10 से 15 लाख रुपए की लागत से कुओं का निर्माण कराया गया। लेकिन यह निर्माण कार्य नियमों और तकनीकी मानकों को ताक पर रखकर किया गया। आरोप है कि पंचायत के सरपंच पति ने इन कुओं का निर्माण तालाब के अंदर ही करवा दिया, जो कि पूरी तरह से गलत और अवैधानिक है। दरअसल, जिस तालाब में ये कुएं बनाए गए हैं, उसी तालाब से पहले ही सड़क निर्माण के लिए मुरम निकाली जा चुकी थी और उसे गहरा कर दिया गया था। ऐसे में उसी गहराई का फायदा उठाकर कुओं का निर्माण कर दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया केवल कागजों में सही दिखाने और पैसे के बंदरबांट के लिए की गई। मामले को और गंभीर तब बना देता है जब इसमें इंजीनियर की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। आवेदन के अनुसार, पीएचई विभाग के इंजीनियर ने खुद इस निर्माण को गलत बताया और साफ कहा कि इस कुएं का पानी पीने योग्य नहीं है।

इंजीनियर ने दी थी चेतावनी

इस प्रकरण में यह बात उल्लेखनीय है कि इंजीनियर ने चेतावनी दी कि इस पानी के सेवन से गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। इसके बावजूद, पंचायत द्वारा इस कुएं को पेयजल स्रोत के रूप में दिखाकर सरकारी राशि का उपयोग किया गया। सवाल यह उठता है कि जब तकनीकी अधिकारी ही इसे असुरक्षित बता रहे थे, तो फिर निर्माण कार्य को अनुमति कैसे दी गई? क्या यह सब मिलीभगत का परिणाम है? ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ रहा है। उनका कहना है कि एक तरफ वे स्वच्छ पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके नाम पर फर्जी योजनाओं के जरिए भ्रष्टाचार किया जा रहा है। गांव में पाइपलाइन डालने की बात भी सामने आई है, लेकिन उससे भी कोई लाभ नहीं मिल रहा।

सरपंच पति पर है गंभीर आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी और सरपंच पति ने मिलकर गलत स्थान पर निर्माण कराकर भारी भ्रष्टाचार किया है। यह सिर्फ पैसे की बर्बादी नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। आवेदन में साफ तौर पर मांग की गई है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, जो राशि इस फर्जी निर्माण में खर्च की गई है, उसकी वसूली कर सही स्थान पर नया कुआं बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को वास्तव में पेयजल की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई, तो वे मजबूर होकर आंदोलन और धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाएंगे। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर क्यों इतने गंभीर मामलों में समय रहते कार्रवाई नहीं होती।

सिस्टम की खुली पोल, एक गांव का नहीं कई गांवों की है कहानी

यह मामला केवल एक गांव का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पोल खोलता है। सरकार जहां एक ओर हर घर जल योजना के तहत गांव-गांव तक स्वच्छ पानी पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पंचायत स्तर पर हो रहे इस प्रकार के भ्रष्टाचार से यह साफ है कि निगरानी तंत्र पूरी तरह से फेल हो चुका है। अगर समय रहते ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो सरकार की योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाएंगी। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है

कार्रवाई नहीं तो होगा आंदोलन

पिपरिया फतेहपुर के ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि पेयजल घोटाले की निष्पक्ष जांच नहीं की गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए कुएं न केवल गलत स्थान पर हैं, बल्कि उनमें भरा पानी दूषित है और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। वे अब चुप नहीं बैठेंगे और अपने हक के लिए धरना-प्रदर्शन करेंगे। गांववासियों ने प्रशासन से तत्काल कदम उठाने और फर्जी निर्माण में खर्च हुई राशि की वसूली कर सही स्थान पर नया कुआं बनाने की मांग की है।

सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों पक्षों के जनप्रतिनिधियों ने क्यों रखा मौन

ग्रामीणों के मन में यह विचार निरंतर आ रहा है कि सत्ताधारी पक्ष और विपक्ष ने मौन क्यों रखा है। वे इस मामले में कुछ प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। क्या आरोपियों को इनका संरक्षण प्राप्त है। अगर है तो संरक्षण देने वाले नेता चुनाव के समय किस मुंह से इस गांव में वोट मांगेंगे। क्योंकि कंठ सूखने पर जो दो बूंद पानी की देकर प्यास न बुझा सके उन्हें तो वोट मांगने का भी हक नहीं। जिम्मेदारी तो दोनों प्रमुख दलों के जनप्रतिनिधियों की बनती है। जनप्रतिनिधि इतनी बेशर्मी भी न लादे की जनता रोड पर आकर आपके खिलाफ प्रतिक्रिया करने को मजबूर हो जाए।

फिर बना आदिवासी युवक बाघ का शिकार, दो माह में चौथी घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

वन विकास निगम बेहरई रेंज के अन्तर्गत आने वाले जंगल मे बाघ के द्वारा आज फिर एक आदिवासी युवक का शिकार किया गया है जिससे क्षेत्र मे भय का माहोल बना हुआ है। उल्लेखनीय है ग्राम डोरली निवासी युवक विनोद पिता अमरसिंह उईके उम्र 32 वर्ष सबेरे महूआ चुनने के लिये गया था साथ विनोद के साथ महूआ चुनने के लिये माता पिता के साथ साथ छोटा भाई भी गया हुआ था जो पूरा परिवार अलग अलग दिशा मे महूआ चुनने मे लग गये जंगल घना होने के कारण एक दूसरे को देख पाना मुश्किल था इसी बीच बाघ ने विनोद को अपना शिकार बना लिया तथा विनोद के शरीर को घसीटते हुऐ नाली मे लेजाकर रख दिया

छोटे भाई ने देखा शेर-समीप ही महूआ चुन रहे छोटे भाई पंकज ने सबसे पहले जंगल मे बाघ को देखा तथा शोर मचाना प्रारम्भ किया इसी बीच बाघ की दहाड से अन्य लोग जो महूआ चुनने जंगल गये हुऐ थे इक_ा होने लगे किन्तु तब तक बाघ के द्वारा विनोद का शिकार किया जा चुका था परिवार मे विनोद के माता पिता तथा भाई तथा भाई की पत्नि जंगल मे ही मौजूद थी किन्तु मृतक विनोद

की पत्नि गर्भवती होने के कारण घर पर ही थी। घटना की सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी रवि प्रसाद गेडाम वन विकास निगम बेहरई अपने स्टाफ के साथ घटना स्थल पर पहूच गये तथा घटना की सूचना अपने उच्चाधिकारी यो को दी सूचना मिलते ही एसडीओ अनिल छत्री भी घटना स्थल पर पहूचे तथा शासन से आठ लाख रूपये की राशि जो नियमावली मे है देने की घोषणा की तथा मौके पर ही परिवार को बीस हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान की साथ बाघ के शिकार विनोद के शव को वन परिक्षेत्र अधिकारी के द्वारा अपनी उपस्थिति मे पी एम के लिये सिवनी ले जाया गया तथा पूरा दिन मृतक के परिवार के साथ खडे हो अन्तिम संस्कार तक अपने स्टाफ के साथ अपनी उपस्थिति बनाये रखी।

हनुमान लोक में आज से गूँजेगी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओजस्वी वाणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

विश्व प्रसिद्ध चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान, जामसांवली (हनुमान लोक) में रविवार 29 मार्च से भक्ति और अध्यात्म का भव्य आयोजन प्रारंभ हो रहा है। पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ जगद्गुरु रामभद्राचार्य के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।संस्थान अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि महाराज श्री चित्रकूट से विशेष विमान द्वारा नागपुर पहुंचेंगे, जहां से हेलीकॉप्टर द्वारा सुबह 11 बजे जामसांवली आएंगे। उनके स्वागत के लिए दिंडी, कलश यात्रा और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य तैयारी की गई है। भक्त निवास में पाद पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा।दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक महाराज श्री भगवान श्रीराम के आदर्शों पर अपने प्रवचन देंगे। आयोजन स्थल को आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाओं से सुसज्जित किया गया है, साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, पेयजल और बैठने की व्यापक व्यवस्था की गई है।12 अप्रैल तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर ट्रस्ट कमेटी ने अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

संघर्ष से सिद्धि तक का ऐतिहासिक सफर

14 जनवरी 1950 को जन्मे जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने बाल्यकाल में ही अपनी दृष्टि खो दी थी, किंतु अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति और साधना के बल पर उन्होंने 22 भाषाओं का ज्ञान और 200 से अधिक ग्रंथों की रचना की। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि विवाद में महाराज श्री की शास्त्रसम्मत और प्रामाणिक गवाही ने उच्चतम न्यायालय के निर्णय में मील का पत्थर साबित होने का कार्य किया। उनके इसी अद्वितीय योगदान हेतु भारत सरकार ने उन्हें 2015 में 'पद्म विभूषण' से अलंकृत किया। चित्रकूट स्थित 'तुलसी पीठ' और दिव्यांगों के लिए समर्पित विश्वविद्यालय के माध्यम से वे मानवता की सेवा कर रहे हैं।उनके अद्वितीय योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया। जामसांवली में आयोजित यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह क्षेत्र के आध्यात्मिक जागरण का एक विराट महोत्सव सिद्ध होगा। 2 अप्रैल तक चलने वाले इस विशाल और भव्य दिव्य आयोजन को लेकर चमत्कारी हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से यहां आने वाले हजारों श्रद्धालुओं भक्तों एवं दर्शकों के लिए बैठक पार्किंग पेयजल आदि की ऐतिहासिक तैयारी और व्यवस्था की गई है।

शादी का झांसा देकर आबरू लूटने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बुढार। शादी का झांसा देकर एक युवती की अस्मत लूटने और फिर जातिगत अपमान करने वाले मुख्य आरोपी कान्हा उर्फ आकाश चेलानी को पुलिस ने धर दबोचा है। बीती 11 फरवरी को एक पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी कि मिश्रा कॉलोनी निवासी कान्हा चेलानी ने शादी का वादा कर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता ने विवाह का दबाव बनाया, तो आरोपी ने उसकी जाति को लेकर अभद्र टिप्पणी की और साफ मुकर गया। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए कान्हा सहित आशीष और नवीन चेलानी के खिलाफ बीएनएस और एससी/ एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने जाल बिछाया। एक आरोपी पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ चुका था, वहीं शनिवार 28 मार्च को मुख्य शिकारी कान्हा चेलानी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

चार पंचायतों की बिजली कटी, छाया अंधेरा

नगरपालिका पर 23 लाख एवं पंचायतों पर 4 करोड़ बकाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

शुक्रवार को बिजली विभाग ने बकाया वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई करते हुए हिवरा, कलमगांव, बडचिचोली और बोथिया पंचायत क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बिजली कनेक्शन काट दिए। अचानक हुई इस कार्रवाई से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें पूरी रात अंधेरे में बितानी पड़ी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग ने यह कदम लंबे समय से बकाया बिलों की वसूली के लिए उठाया है।

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नगरपालिका परिषद, ग्राम पंचायतों और अन्य उपभोक्ताओं पर कुल मिलाकर 7 करोड़ 24 लाख रुपए से अधिक की राशि बकाया है। कई बार नोटिस और सूचना देने के बावजूद भुगतान नहीं किए जाने के कारण विभाग को यह सख्त कदम उठाना पड़ा।बताया जा रहा है कि नगरपालिका परिषद पर लगभग 23 लाख रुपए का बकाया है, जबकि ग्राम पंचायतों पर 4 करोड़ 72 लाख 66 हजार रुपए से अधिक की राशि लंबित है।

इसके अलावा अन्य उपभोक्ताओं पर भी बड़ी रकम बकाया है, जिससे विभाग पर वित्तीय दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।बिजली विभाग के अनुसार, बकाया वसूली अभियान अभी जारी रहेगा और आने वाले दिनों में और भी कनेक्शन काटे जा सकते हैं। विशेष रूप से ग्राम पंचायत क्षेत्रों में रहने वाले करीब 525 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की योजना बनाई गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक बकाया राशि जमा नहीं की जाएगी, तब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाएगी।इस कार्रवाई से प्रभावित गांवों के ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि अचानक बिजली काटे जाने से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, खासकर रात के समय बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को परेशानी हुई। कई घरों में पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हुई, क्योंकि मोटर और पंप बिजली पर निर्भर हैं।वहीं, विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई मजबूरी में की जा रही है और उपभोक्ताओं को पहले ही कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी। अब विभाग ने साफ कर दिया है कि बकाया राशि जमा कराने पर ही बिजली कनेक्शन दोबारा जोड़े जाएंगे।स्थिति को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो ग्रामीणों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है।

नाबालिग भतीजी को चाचा भगा कर ले गया

खजुराहो। रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक चाचा ने अपनी नाबालिग भतीजी को बहला-फुसलाकर भगा लिया। यह घटना 27 मार्च की रात खजुराहो जिले के थाना राजनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खजवा में हुई। गांव की रहने वाली नाबालिग लड़की, जो रिश्ते में भतीजी लगती है, अपने चाचा रोहित रैकवार के साथ फरार हो गई। पीड़िता की मां का आरोप कि रोहित रैकवार उनकी बेटी को मोबाइल पर लगातार संपर्क में रखता था और उसे रंगीन सपने दिखाकर बहकाता था। साथ ही वह लड़की के माता-पिता और भाई को जान से मारने की धमकी भी देता था। लड़की के पिता ने राजनगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि खजुराहो थाना क्षेत्र के अचनार गांव निवासी रोहित रैकवार ने उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा लिया है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी रोहित रैकवार की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

सटई रोड इलाके में जोरदार धमाका, घरों में कंपन और धुआं, ग्रामीणों में दहशत

छतरपुर। शहर के सटई रोड क्षेत्र में शुक्रवार को जोरदार धमाके की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के कई घरों में कंपन महसूस किया गया और हवा में धुआं भर गया, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी दहशत फैल गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्राम मौराहा के ग्रामीणों ने बताया कि वे खेत में फसल कटाई का काम कर रहे थे, तभी आसमान में एक प्लेन तेज रफ्तार से निकला। प्लेन करीब 30-40 फीट की ऊंचाई पर था और उससे काफी धुआं निकलता दिखाई दिया। ग्रामीण घबरा गए और दहशत में आ गए। सटई रोड के निवासियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि घरों के दरवाजे हिलने लगे और बाथरूम में रखे पानी के बर्तनों तक में पानी उछल पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना पहले भी दो बार हो चुकी है, लेकिन इस बार धमाके की आवाज और प्रभाव ज्यादा तीव्र था, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने आसमान में फाइटर जेट उड़ान भरने की भी चर्चा की, लेकिन अभी तक प्रशासन या पुलिस की ओर से इस घटना के कारणों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसी तरह की घटना छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र में भी देखने को मिली, जहां ग्रामीणों में काफी दहशत फैली। वहां का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि धमाका किसी विमान की इंजन फेलियर, सैन्य गतिविधि या किसी अन्य कारण से हुआ।

9वीं में फेल छात्रा ने लगाई फांसी, मौत

छतरपुर। जिले में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 9वीं कक्षा की एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को छात्रा को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि हाल ही में आए परीक्षा परिणाम में छात्रा तीन विषयों में फेल हो गई थी, जिससे वह काफी परेशान और तनाव में थी। इसी अवसाद के चलते उसने यह कदम उठा लिया। मृतिका के भाई रामदास अहिरवार, निवासी जनकपुर थाना ईशानगर, ने बताया कि गुरुवार को ही परिणाम आया था और उसी के बाद से छात्रा गुमसुम थी। शुक्रवार को उसने घर में फांसी लगा ली। घटना के बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

देवगढ़ में अपनेपन के मुरीद हुए फ्रांस से आए मेहमान

समां की खीर खाकर बोले- वेरी टेस्टी, गिफ्ट दी गुल्लक

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से देवगढ़ में बने होम स्टे में फ्रांस ने आए मेहमानों का भावभीना स्वागत किया गया। तीन दिन तक रूके फ्रांसीसी मेहमानों ने होमस्टे में रूककर जाना ग्रामीण संस्कृति और कल्चर को जाना। सूदूर अंचल में बसे गांव कलकोट घूमा और भोजन के बाद समां की खीर खाकर कहा- वेरी टेस्टी। देवगढ़ में मिले अपनेपन के मुरीद होकर गए फ्रांस के मेहमानों ने कहा कि वे अपने देश के लोगों को यहां मिली बेमिसाल खातिरदारी के बारे में जरूर बताएंगे। म.प्र. टूरिज्म बोर्ड ने बैक टू विलेज संस्था

के साथ मिलकर देवगढ़ गाँव के होम-स्टे को अद्भुत रूप से विकसित किया है। होम-स्टे करने वाले पर्यटक यहाँ दी जा रही बेहतरीन सुविधाओं की तारीफ करते नहीं थकते।

कलकोट में देखे आदिवासियों के घर

देवगढ़ भ्रमण के दौरान फ्रांसीसी मेहमानों ने सूदूर अंचल में बसे गांव कलकोट घूमा। यहां पर मवासी आदिवासियों के घरों में बनने वाले भोजन, उनके रहन-सहन व संस्कृति को समझा। विदेशी मेहमान कलकोट के घरों में देशी परिवेश में भोजन, तीज-त्योहार और कल्चर जैसे विभिन्न गतिविधियों से रूबरू हुए। इसके आलावा देशी पोषक एवं पहनावा, आदिवासियों की श्रृंगार सामाग्री भी देखी। मक्के की रोटी और चटनी खाईविदेशी मेहमानों ने यहां पर परंपरागत भोजन ही किया।

मक्के की रोटी, टमाटर की चटनी, समां की खीर

उन्हें बेहद पंसर आई। इन मेहमानों ने गांव में बनी गुल्लक खरीदी और होम स्टे संचालक कविता देवीसिंह धुर्वे को भेंट की। खास बात यह रही कि विदेशी मेहमानों ने होम स्टे के साथ ही ग्रामीणों के घर जाकर भी भोजन किया।

पातालकोट भी देखा

मोहखेड़ ब्लाक के ऐतिहासिक व पर्यटन ग्राम देवगढ़ में रूके फ्रांसीसी विदेशी मेहमानों ने होमस्टे में रूककर पर्यटन स्थल का आनंद उठाया। तीन दिनों के यात्रा के दौरान उन्होंने एक दिन पातलाकोट में बिताया। रातेड़ व चिमटीपुर के व्यू पांइट से उन्होंने पातालकोट देखा और रास्ते में आदिवासी ग्रामीणों से बातचीत की।

केन नदी में नहाते समय डूबने से 2 चचेरी बहनों की दर्दनाक मौत

लवकुशनगर। पुलिस अनुविभाग के गोयरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर पुल के नीचे केन नदी में नहाते समय दो चचेरी बहनों की डूबकर मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा तब हुआ जब दोनों बहनें अपने चाचा और अन्य परिजनों के साथ उत्तर प्रदेश के बांदा जिले स्थित विंध्यवासिनी देवी के दर्शन करने जा रही थीं। मृतक युवतियों की पहचान महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलारी गांव निवासी कु. माया कुशवाहा (18 वर्ष), पुत्री दया राम कुशवाहा तथा कु. रोशनी कुशवाहा (17 वर्ष), पुत्री लीला कुशवाहा के रूप में हुई है। दोनों बहनें टैक्सी से 7-8 लोगों के साथ यात्रा कर रही थीं। रास्ते में रामपुर पुल के नीचे नदी में नहाने के दौरान वे गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। मौके पर पहुंची गोयरा पुलिस ने दोनों युवतियों के शवों को रेस्क्यू किया। शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा बच्चों का भविष्यः 10 साल बाद भी अधूरा प्राथमिक स्कूल भवन

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। शहपुरा जनपद अंतर्गत डिंडोरी जिले के ग्राम पंचायत कछारी माल में शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही और कथित अनियमितता का मामला उजागर हुआ है। लगभग एक दशक पहले शुरू हुआ प्राथमिक स्कूल भवन आज तक पूरा नहीं हो सका है जिससे गांव के बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन का निर्माण कार्य तत्कालीन पंचायत सचिव बलराम सिंह सैयाम के कार्यकाल में प्रारंभ हुआ था। उस समय ग्रामीणों और विद्यार्थियों में नए भवन को लेकर काफी उम्मीदें थीं लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है और भवन की छत तक नहीं डाली जा सकी है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के नाम पर लाखों रुपये खर्च होना अभिलेखों में दर्शाया गया है जबकि जमीनी स्थिति इसके विपरीत है। भवन आज भी अधूरा और जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। इसके चलते बच्चों को मजबूरी में पुराने या अस्थायी व्यवस्था में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है।

इसरो का ये स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम, अमेरिका भी रह गया दंग

जीपीएस को भूल जाइए, अब चलेगा भारत का नाविक!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में अपनी एक अलग स्वदेशी पहचान बना ली है। हम अब केवल अमेरिकी जीपीएस पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि हमारे पास अपना खुद का नाविक है। किसी भी संकट के समय यह तकनीक भारत के लिए कितनी ढाल साबित हो सकती है, वैज्ञानिकों ने इसे विस्तार से समझाया है। आज के समय में हम जहां भी जाते हैं, मोबाइल में मैप खोलते हैं और रास्ता मिल जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि यह सुविधा ज्यादातर विदेशी सिस्टम पर टिकी होती है। ऐसे में अगर कभी ये सिस्टम काम करना बंद कर दें, तो बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए भारत ने अपना खुद का नेविगेशन सिस्टम नाविक तैयार किया है। यह तकनीक धीरे-धीरे देश के लिए बेहद अहम बनती जा रही है। इसरो द्वारा बनाया गया नाविक अब स्मार्टफोन्स और कमर्शियल वाहनों में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। कारगिल युद्ध के दौरान जब अमेरिका ने भारत को जीपीएस डेटा देने से मना कर दिया था, तभी भारत ने ठान लिया था कि उसका अपना 'आसमान का पहरेदार' होगा। आज इसरो का नाविक न केवल तैयार है, बल्कि यह अमेरिकी जीपीएस से भी ज्यादा सटीक और भरोसेमंद साबित हो रहा है।

क्या है नाविक?

नाविक का पूरा नाम नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन है। यह भारत का अपना रिजनल सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है। इसमें 7 से 8 सैटेलाइट का एक समूह है, जो पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर तैनात हैं। यह न केवल पूरे भारत को कवर करता है, बल्कि देश की सीमाओं से 1500 किलोमीटर बाहर तक की सटीक जानकारी देता है।

कैसे काम करता है नाविक?

अमेरिका के जीपीएस और भारत के नाविक के काम करने के तरीके में एक बड़ा अंतर है। नाविक के सैटेलाइट भारत के ऊपर एक निश्चित स्थिति में रहते हैं।

जीपीएस से कैसे अलग है नाविक?

अमेरिका का जीपीएस पूरी दुनिया को कवर करता है, लेकिन भारत का नाविक विशेष रूप से भारत और उसके आसपास के 1,500 किलोमीटर के दायरे पर फोकस करता है। जीपीएस जहां आपको 20-30 मीटर तक की एक्यूरेसी देता है, वहीं नाविक भारत के अंदर 5 मीटर से भी कम की एकदम सटीक लोकेशन बता सकता है।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नाविक बनाने के पीछे सबसे बड़ी वजह सुरक्षा और आत्मनिर्भरता है। अगर कभी युद्ध या किसी बड़े संकट की स्थिति बनती है, तो विदेशी सिस्टम पर निर्भर रहना खतरे से खाली नहीं रहता है। ऐसे समय में अपना खुद का सिस्टम होना बहुत जरूरी हो जाता है, जिससे जरूरी सेवाएं बिना रुके चलती रहें. यही सोचकर इसरो ने इस तकनीक को विकसित किया था।

दुनिया की सबसे जहरीली चीटियाँ जिनके काटते ही इंसान की हो सकती है मौत

दुनिया में हैरान कर देने वाले जीवों की भरमार है। कुछ देखने में बहुत शानदार लगते हैं, तो कुछ इतने डरावने होते हैं कि उन्हें देखकर ही किसी की भी रूह कांप जाए। हालाँकि, प्रकृति में, जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, छोटी-छोटी चींटियों को ही ले लीजिए।

बुलडॉग चींटी : मौत का दूसरा नाम बुलडॉग चींटी

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे खतरनाक चींटी है। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली इस चींटी की लंबाई लगभग 1.5 इंच तक हो सकती है। अपने काले शरीर और लाल-नारंगी पेट वाली ये चींटियाँ इतनी जानलेवा होती हैं कि इनके काटने के महज़ 15 मिनट के अंदर ही किसी इंसान की मौत हो सकती है। आँकड़ों के मुताबिक, 1988 से अब तक इस चींटी ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है।

जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं

हरी पेड़ वाली चींटी : स्वाद और डर का अनोखा मेल

इन्हें 'एशियाई वीवर चींटियों' के नाम से भी जाना जाता है। ये पेड़ों की ऊँची डालियों पर अपनी बस्तियाँ बनाती हैं, और एक ही बस्ती में 500,000 तक चींटियाँ रह सकती हैं। ये बहुत ही दर्दनाक डंक मारती हैं; लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि कई इलाकों में लोग इन्हें बड़े चाव से खाते हैं, क्योंकि इन्हें प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

बुलहॉर्न अकेशिया चींटी : छोटा पैकेट, बड़ा धमाका

मध्य अमेरिका में पाई जाने वाली यह चींटी भले ही आकार में छोटी हो, लेकिन इसका डंक किसी ततैया के डंक जितना ही जोरदार होता है। यह इतनी आक्रामक होती है कि इसके काटने से इंसानों में एनाफाइलैक्टिक शॉक हो सकता है एक ऐसी स्थिति जो जानलेवा भी साबित हो सकती है।

फ्लोरिडा हार्वेस्टर चींटी: स्वाभिमानी लड़ाकू

ये चींटियाँ मुख्य रूप से बीज इकट्ठा करती हैं और बिना उकसाए किसी पर हमला नहीं करतीं। हालाँकि, अगर इन्हें बेवजह उकसाया जाए या इनके घोंसले को छेड़ा जाए, तो ये आपको डंक मारने में जरा भी नहीं हिचकिचाएँगी। इनके काटने से शरीर में तेज जलन वाला दर्द और भयंकर सूजन हो जाती है।

बुलेट चींटी : गोली लगने जैसा दर्द

इस चींटी को बुलेट चींटी नाम इसलिए मिला, क्योंकि इसके डंक से होने वाला दर्द ठीक वैसा ही महसूस होता है, जैसा गोली लगने पर होता है। अगर 1.2 इंच लंबी यह लाल-काली चींटी किसी को काट ले, तो पीड़ित को 24 घंटे तक असहनीय दर्द झेलना पड़ता है। इसका जहर कई गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकता है, जैसे कि सूजन, दिल की धड़कन का तेज़ होना, और यहाँ तक कि मल में खून आना।

रोचक खबरें

शादी में दूल्हा या पावर हाउस? दूल्हे को ऐसे लिबास में देखकर यूजर्स रह गए दंग

शादियों में, दूल्हे का स्टाइल हमेशा सबका ध्यान खींच लेता है। कुछ लोग घोड़ी पर सवार होकर शाही अंदाज़ में एंट्री करते हैं, तो कुछ लग्ज़री कार में अपनी बारात लेकर निकलते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर आजकल एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक दूल्हे का अनोखा स्टाइल देखकर लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो रहे हैं। इस वीडियो में दूल्हे ने जो कपड़े पहने हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो लोगों के सामने अचानक कोई चलता-फिरता लाइटिंग सिस्टम आ गया हो।

दूल्हे के कपड़ों ने लूटी सारी लाइमलाइट : इस वायरल वीडियो में, दूल्हा अपनी बारात के दौरान ऐसे कपड़े पहने नज़र आ रहा है जो पूरी तरह से एलईडी लाइट्स से सजे हुए हैं। उसके कपड़ों, कंधों और सिर पर लगातार चमकने वाली रंग-बिरंगी लाइट्स लगी हुई हैं। जैसे-जैसे दूल्हा बारात के बीच चलता है, उसके शरीर पर लगी लाइट्स दूर से ही साफ दिखाई देती हैं। सचमुच, ऐसा लगता है जैसे कोई चलता-फिरता सजावटी सामान सड़क पर उतर आया हो।

लोगों को याद आया बिजली विभाग : दूल्हे के इस जगमगाते पहनावे को देखकर सोशल मीडिया यूज़र्स अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे हैं। कई लोग मज़ाक में कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है जैसे दूल्हा बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर बारात में आया हो। कुछ यूज़र्स ने तो यह भी मज़ाक किया कि अगर शादी के दौरान बिजली चली जाए, तो दूल्हे को बस स्टेज पर खड़ा कर देना चाहिए वह अकेले ही पूरी रोशनी का इंतज़ाम कर देगा! लोग अक्सर शादियों में अपनी एंट्री को सबसे अलग और यादगार बनाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग खास डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते हैं, तो कुछ अनोखे कपड़े पहनकर ऐसा करते हैं। लेकिन, इस दूल्हे का तरीका तो सबसे हटके है। उसने अपने कपड़ों को इतना ज़्यादा चमकदार बना लिया है कि पूरी बारात में सबसे ज़्यादा वही नज़र आ रहा है।

राजस्थान का रहस्यमयी मंदिरः 800 साल से यहां राक्षस को अर्पित होता है भोग

भारत रहस्यों और आस्था की भूमि है, जहाँ हर मोड़ पर ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जो आधुनिक विज्ञान को भी रुककर सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित देवी शीतला माता के प्राचीन मंदिर में देखा जा सकता है। इस मंदिर की कहानी जितनी विस्मयकारी है, उतनी ही भक्ति-भाव से भी भरी हुई है। यहाँ पिछले 800 वर्षों से एक अनोखी परंपरा चली आ रही है। एक ऐसी परंपरा जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है।

800 साल पुराना मंदिर : पाली ज़िले में स्थित, शीतला माता मंदिर के बारे में माना जाता है कि यह लगभग 800 साल पुराना है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि इससे जुड़ी कई चमत्कारी कहानियों के कारण भी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। **रहस्यमयी ओखली का चमत्कार :** मंदिर परिसर के भीतर एक ओखली (मूसल कूटने का पात्र) है जो यहाँ आने वाले लोगों को आज भी हैरान कर देती है। कहा जाता है कि यह ओखली लगभग एक मीटर गहरी है, लेकिन इसमें चाहे कितने भी लीटर पानी क्यों न डाला जाए, यह कभी पूरी तरह से भरती नहीं है। भक्त इस घटना को देवी की दिव्य शक्ति का एक चमत्कारी रूप मानते हैं। इस मंदिर की सबसे अनोखी परंपरा यह है कि भक्त सबसे पहले एक राक्षस को *भोग* (पवित्र भोजन) चढ़ाते हैं, और उसके बाद ही देवी शीतला की पूजा करते हैं। यह परंपरा सुनने में जितनी अजीब लग सकती है, इसके पीछे की कहानी उतनी ही दिलचस्प और आस्था में गहरी जड़ें जमाए हुए है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लगभग 800 साल पहले, इस क्षेत्र में 'बबरा' नाम का एक राक्षस रहता था। वह इतना क्रूर था कि ब्राह्मणों के घरों में होने वाले विवाह समारोहों के दौरान वह दूल्हों की हत्या कर देता था। परिणामस्वरूप, पूरा क्षेत्र भय और शोक के माहौल में डूब गया था। लोगों की प्रार्थना सुनकर, देवी शीतला ने एक छोटी बच्ची का रूप धारण किया और अपनी दिव्य शक्ति से उस राक्षस का वध कर दिया।

जनजाति

भारत का हिस्सा फिर भी अलग कानून

खतरनाक द्वीप जहां कदम रखना मौत को दावत देना है

भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक ऐसा द्वीप है जो कागजों पर भारत का हिस्सा है, लेकिन वहां की दुनिया बिल्कुल अलग है। नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड दुनिया के सबसे रहस्यमयी और खतरनाक द्वीपों में गिना जाता है। यहां रहने वाली सेंटिनली जनजाति ने हजारों सालों से बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रखा है। भारत सरकार ने यहां आम नागरिकों के जाने पर सख्त पाबंदी लगा रखी है। **पाषाण युग में जीने वाली आखिरी जनजाति :** नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड पर रहनेवाले सेंटिनली लोग दुनिया की आखिरी ऐसी जनजाति हैं जो आज भी पाषाण युग की तरह जीवन जी रहे हैं। ये लोग कपड़े नहीं पहनते और शिकार व मछली पकड़कर अपना गुजारा करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जनजाति करीब 60 हजार सालों से इस द्वीप पर रह रही है। हैरानी की बात यह है कि इन्होंने खेती करना तक नहीं सीखा और आग जलाने की जानकारी भी सीमित है।

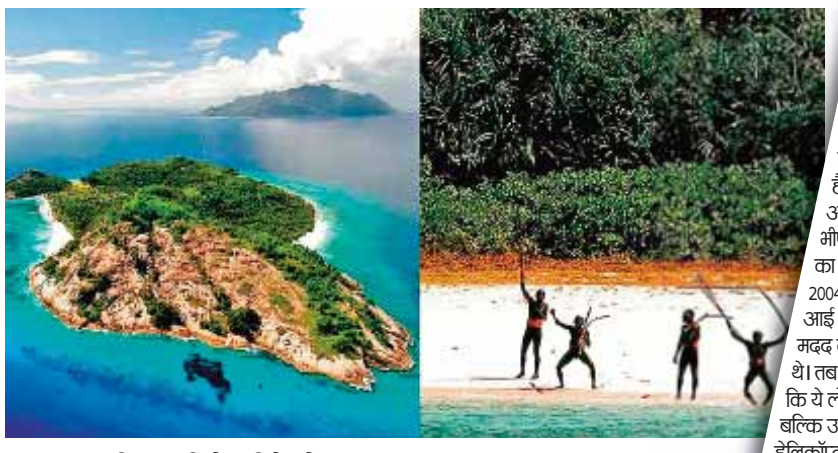

कानूनी पाबंदी के पीछे दो अहम कारण

भारत सरकार नेअंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदिम जनजातियों का संरक्षण विनियमन 1956 के तहत इस द्वीप के पांच समुद्री मील के दायरे में जाने पर रोक लगा रखी है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, वहां के लोगों का हिंसक होना जिससे जान का खतरा है। दूसरा और सबसे अहम कारण यह है कि सेंटिनली लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बाहरी दुनिया के मुकाबले बहुत कम है। हमारे लिए मामूली जुकाम या फ्लू भी उस पूरी जनजाति का सफाया कर सकता है।

बाहरी दुनिया से हिंसक व्यवहार का इतिहास

सेंटिनलीलोग किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने करीब नहीं आने देते। जब भी कोई नाव या हेलिकॉप्टर द्वीप के पास पहुंचता है, ये लोग तीर और पत्थरों से हमला कर देते हैं। साल 2006 में दो भारतीय मछुआरे गलती से इस द्वीप के पास चले गए थे, जिन्हें आदिवासियों ने मार डाला था। उनके शवों को वापस लाने गई पुलिस और सेना को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। यह हिंसक व्यवहार ही सरकार की पाबंदी की सबसे बड़ी वजह है।

सुनामी जैसी आपदाओं में भी रहस्यमयी बचाव

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड कासबसे बड़ा रहस्य यह है कि ये लोग बिना आधुनिक तकनीक के भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कैसे करते हैं। 2004 में जब भीषण सुनामी आई थी, भारत सरकार ने मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे थे। तब यह देखकर हैरानी हुई कि ये लोग न सिर्फ सुरक्षित थे, बल्कि उन्होंने मदद लेने के बजाय हेलिकॉप्टर पर तीर चलाकर अपनी नाराजगी जताई थी।

नौसेना की निगरानी और सरकार की नीति

इस द्वीप की संवेदनशीलता को देखते हुए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल लगातार इस इलाके की गश्त करते हैं। किसी भी पर्यटक या शोधकर्ता को वहां जाने की अनुमति नहीं दी जाती। सरकार की नीति हस्तक्षेप न करने की है। यह भारत की इकलौती ऐसी जगह है जहां संप्रभुता भारत की है, लेकिन शासन वहां के आदिवासियों का चलता है। यह द्वीप आज भी विज्ञान और

अंतरिक्ष में मिला बड़ा बादल... पृथ्वी के सभी समंदर से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ा पानी बादल खोजा है। ये जिस जगह पर है, वहां अभी तक न कोई इंसान या स्पेसक्राफ्ट नहीं जा पाया है। यह पृथ्वी से 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। इस बादल में धरती पर मौजूद सभी महासागरों से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी है। इससे पता चलता है कि हमारा ब्रह्मांड कितना बड़ा है। पानी इतनी बड़ी मात्रा में होने से उम्मीद जगती है कि हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। ये हमें प्रेरित करता है कि हम और ज्यादा खोज करें और ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की कोशिश जारी रखें।

ये पानी का बादल ब्रह्मांड के शुरुआती समय का है, जब आकाशगंगाएं बन रही थीं। ब्लैक होल अपने चारों तरफ के गैस को आकार दे रहे थे। ये बादल एक क्वासर के आसपास है, जिसके सेंटर में एक बड़ा ब्लैक होल है। ब्लैक होल इतना भारी है कि वह सूरज से 20 अरब गुना ज्यादा वजन है। ब्लैक होल के चारों तरफ गर्म गैस है, जिसमें पानी की भाप बहुत ज्यादा है।

अंतरिक्ष में इतना पानी यानी जीवन का सोर्स

वैज्ञानिक इस खोज से हैरान हैं क्योंकि पानी जीवन के लिए बहुत जरूरी है। अगर ब्रह्मांड के इतने शुरुआती समय में इतना पानी था, तो शायद जीवन की शुरुआत हमारी सोच से बहुत पहले हो चुकी होगी। ये बताता है कि पानी और जीवन के लिए जरूरी चीजें पूरे ब्रह्मांड में फैली हुई हैं, सिर्फ हमारे सौर मंडल तक सीमित नहीं हैं।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर रह जाएंगे हैरान

मारोस। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है।

कहां पाया गया था यह अजगर?

2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है।

एक विशाल पांडा जितना है सांप का वजन

इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है। इसकी लंबाई के साथ-साथ इसका वजन भी देखा गया था, जो कि 96.5 किलो है। इसके लिए उन तराजू का इस्तेमाल किया गया था, जिनका उपयोग आमतौर पर चावल की बोरियों का वजन करने के लिए किया जाता है। इबू की देखरेख अब स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो कर रहे हैं, जिन्होंने एक सांप अभयारण्य भी बनाया हुआ है।

शिकार निगलते समय और बड़ा हो जाता है इबू का शरीर

नुग्राहा और फ्रेंटियू ने इबू के बारे में सुनते ही सुलावेसी की टिकट बुक कर ली थीं। दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उसका उचित दस्तावेजीकरण हो। उन्हें उम्मीद है कि इससे भविष्य में इबू और उसके जैसी अन्य प्रजातियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। फ्रेंटियू ने इस सांप के बारे में कहा, उसकी हर मांसपेशी एक शक्ति का स्रोत है। ऐसे सांप की ताकत और विशाल शिकार को निगलते समय उसके फैलने की क्षमता प्रभावित करती है।

युद्ध की परिस्थितियों में भी सुरक्षित हैं ईरान में मौजूद मंदिर

ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरी दुनिया को उथल-पुथल में डाल दिया है। दोनों तरफ से हमले लगातार जारी हैं। आसमान से बरसती मिसाइलों ने दोनों पक्षों को भारी नुकसान पहुँचाया है। अब तक, कई इज़राइली और अमेरिकी लोगों की जान जा चुकी है। इस संघर्ष के बीच ईरान में एक हिंदू मंदिर भी सुर्खियों में आ गया है।

विष्णु मंदिर की विशेषताएं : भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर को एक शानदार इमारत के रूप में वर्णित किया गया है। मंदिर के अंदर एक चौकोर कमरा है, जिसके ऊपर एक बड़ा गुंबद बना हुआ है। इस मंदिर का निर्माण मूंगा पत्थर, गारा, मिट्टी और *लुई* (चूने) के प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था। मंदिर में भगवान कृष्ण की कई मूर्तियाँ भी स्थापित हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां और पूर्ण अवतार माना जाता है।

चाबहार का मंदिर

ईरान के शहर चाबहार में भी एक हिंदू मंदिर स्थित है। इसे एक मंदिर या मूर्तियों वाला एक पवित्र स्थान माना जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण हिंदू व्यापारियों के एक समूह ने करवाया था, जो गुजरात से यहाँ आकर बस गए थे। यह मंदिर 19वीं सदी के अंत या 20वीं सदी की शुरुआत का है। इसका निर्माण भी मूंगा पत्थर और *लुई* प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था।

तेहरान का प्रसिद्ध गुरुद्वारा

ईरान की राजधानी तेहरान में, एक प्रसिद्ध गुरुद्वारा भी है, जिसे 'भाई गंगा सिंह सभा' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण वर्ष 1941 में किया गया था। ईरान में इसे 'मस्जिद-ए-हिंदान' के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि यहाँ हर शुक्रवार को 'लंगर' (सामुदायिक भोजन) का आयोजन किया जाता है।

130 साल पुराना हिंदू मंदिर

ईरान में हिंदू आबादी बहुत कम है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2010 में ईरान में लगभग 20,000 हिंदू रहते थे। बंदर अब्बास ईरान में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित एक शहर में एक लोकप्रिय हिंदू मंदिर है। भगवान विष्णु को समर्पित, यह मंदिर लगभग 130 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण 1982 में किया गया था। इसे मूल रूप से मोहम्मद हसन खान साद-अल-मुल्क ने बनवाया था। ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में काम करने वाले भारतीय मजदूरों ने किया था।

धरती पर बहने वाली दुनिया की सबसे लंबी और विशाल नदियां

नदियां इस धरती पर तब से बह रही हैं जब इंसानों का वजूद भी नहीं था, आज ये हमारी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा हैं। वैसे तो दुनिया में लाखों नदियां हैं, लेकिन क्या आप जानते है कि कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी हैं?

गंगा भारत की सबसे लंबी नदी : गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई करीब 2, 525 किमी है। गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर से निकलकर, भारत के पांच राज्यों से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी है?

नील नदी : नील दुनिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 6,650 किमी है। यह नदी उत्तर-पूर्वी अफ्रीका से शुरू होकर अफ्रीका के युगांडा, सूडान और मिस्र जैसे 11 देशों से होकर भूमध्य सागर में जाकर मिल जाती है।

मिसिसिपी और मिसौरी नदियां मिलकर उत्तरी अमेरिका का सबसे बड़ा नदी सिस्टम बनाती हैं। मिसौरी नदी रॉकी पहाड़ों से निकलकर मिसिसिपी नदी में जाकर मिल जाती है, जो फिर अमेरिका के बीचों-बीच से बहते हुए दक्षिण की तरफ मैक्सिको की खाड़ी में जाकर गिरती है। बताया जाता है कि नदी की कुल लंबाई 6,275 किमी है।

धरती की सबसे विशाल नदी अमेजन

अमेजन को धरती की सबसे विशाल नदी का टैग मिला हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नदी की लंबाई करीब 6,400 किमी है। अमेजन नदी पेरू, कोलंबिया और ब्राजील से होकर बहती है। इसके किनारे दुनिया की करीब 40 प्रतिशत जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की प्रजातियां रहती हैं।

एशिया की सबसे लंबी नदी चीन की यांग्त्जी : चीन की यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई करीब 6,397 किमी के आसपास है। यह नदी तिब्बत पठार के ग्लेशियर से निकलकर पूर्वी चीन सागर में गिरती है। इसकी सबसे मजेदार बात यह है कि यह सिर्फ चीन में ही बहती है।

कोरोना का नए वेरिएंट : खतरनाक कीड़े पर नाम रखा गया सिकाडा

वॉशिंगटन। कोरोना के नए वेरिएंट (सिकाडा) का नाम केवल इत्तेफाक नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा साइंस है। वैज्ञानिकों ने इसे यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसका व्यवहार सिकाडा कीड़ों (एक प्रकार का झींगुर) से मिलता जुलता है। सिकाडा एक ऐसा कीड़ा है, जो सालों तक जमीन के नीचे सुप्त अवस्था में रहता है और फिर अचानक लाखों की संख्या में बाहर आता है। दुनिया अभी पुराने कोविड वेरिएंट्स से उबर ही रही थी कि अमेरिका में कोरोना का एक नया वेरिएंट तेजी से पैर पसार रहा है। वैज्ञानिकों ने इसका नाम सिकाडा (बी. ए.3.2) दिया है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह वेरिएंट अमेरिका के 25 राज्यों में पाया गया है। इसकी खास बात यह है

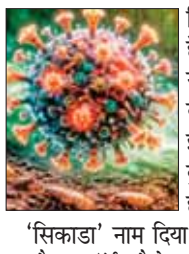

कि इसमें 70 से 75 म्यूटेशन हैं, जो इसे अब तक के सबसे ज्यादा म्यूटेशन वाले वेरिएंट्स में से एक बनाते हैं। इसके फैलने का पैटर्न और कुछ म्यूटेशन को देखते हुए ही वैज्ञानिकों ने इसे 'सिकाडा' नाम दिया है। फ्लोरिडा, कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क जैसे राज्यों में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। हम यहां आपको इसके नाम की कहानी और यह कितना खतरनाक है, इसके बारे में बताने जा रहे हैं।

क्या होता है सिकाडा : सिकाडा एक उड़ने वाला कीट है। इसके आप बड़े पारदर्शी पंखों के साथ चौड़े सिर और उभरी हुई लाल या काली आंखों से पहचान सकते हैं। यह दुनिया भर में पाया जाता है, लेकिन अमेरिका और एशिया के कुछ हिस्सों में इसकी मौजूदगी बहुत चर्चा में रहती है। यह किट हर साल गर्मियों में दिखाई देते हैं। ये कीड़े 13 या 17 साल तक जमीन के नीचे सोते रहते हैं। ये जमीन के नीचे पेड़ों की जड़ों का रस पीकर जीवित रहते हैं और ठीक 13 या 17 साल बाद करोड़ों की संख्या में एक साथ बाहर निकलते हैं। इनकी आवाज 100 डेसिबल से भी ऊपर जा सकती है। यह एक आम आदमी के लिए कान फोड़ देने वाला शोर हो सकता है। अब इसके इन्ही सब गुणों के देखते हुए कोविड-19 के नए वेरिएंट (बी.ए..3.2) को वैज्ञानिकों ने 'सिकाडा' निकनेम दिया है।